सत्र २०१०-२०११ से प्रभावी
बी०ए० प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१	कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग) रामधारी सिंह दिनकर	३० अंक
२	हानूश (नाटक) भीष्म साहनी	३० अंक
३	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	३० अंक

खण्ड (क) कुरुक्षेत्र (षष्ठम सर्ग)

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'कुरुक्षेत्र' की मूल संवेदना
२ 'कुरुक्षेत्र' की पात्र योजना
३ 'कुरुक्षेत्र' का काव्य–रूप
४ 'कुरुक्षेत्र' नामकरण की सार्थकता
५ दिनकर की काव्य–कला

खण्ड (ख) हानूश

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'हानूश' नाटक का उद्देश्य
२ 'हानूश' नाटक की पात्र योजना
३ 'हानूश नामकरण की सार्थकता
४ रंगमंच की दृष्टि से 'हानूश' का मूल्यांकन
५ 'हानूश' की नाट्य –कला

खण्ड (ग) हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
२ आदिकाल का नामकरण
३ आदिकाल की परिस्थितियाँ

४ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियॉ

५ रासो काव्य परम्परा

६ पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

७ विद्यापति व अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय

निर्देश

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए पॉच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न नौ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए पॉच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा।यह प्रश्न नौ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए नौ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । इसके अन्तर्गत खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से तीन–तीन तथा खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्र में से चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सत्र २०१०-२०११ से प्रभावी
बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर
हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य : प्रो० पूरनचंद टंडन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली । ३० अंक
२ निर्मला (उपन्यास) : प्रेमचंद ३० अंक
३ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल ३० अंक

निर्धारित कवि

कबीरदास–प्रथम ३० दोहे
जायसी–सभी पद
सूरदास–भ्रमरगीत पद संख्या १ से ४, ६, ९, १२,
गोकुल लीला : पद संख्या १, ३, ६, ८, १० (कुल १२ पद)
तुलसीदास–पुस्तक में संकलित 'विनय पत्रिका' एवं 'दोहावली' से ग्रहीत अंश
मीराबाई–पद संख्या १ से ५, १६, १७, २०, २३, २५–कुल १० पद
बिहारी–शृंगारिक दोहे–१ से २५
घनानंद–प्रथम आठ कवित्त

खण्ड (क) प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर की प्रासंगिकता
२ जायसी का विरह वर्णन
३ सूरदास का वात्सल्य वर्णन
४ शृंगार वर्णन
५ तुलसीदास का समन्वयवाद
६ मीराबाई की प्रेम साधना
७ बिहारी की बहुज्ञता
८ घनानंद का वियोग वर्णन
९ सभी कवियों का साहित्यिक परिचय

खण्ड (ख) निर्मला
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'निर्मला' उपन्यास का प्रतिपाद्य
२ 'निर्मला' की पात्र योजना
३ 'निर्मला' नामकरण की सार्थकता
४ प्रेमचंदयुगीन सामाजिक परिवेश
५ उपन्यासकार प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

खण्ड (ग) भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्ति : उद्‌भव और विकास
२ भक्तिकाल की परिस्थितियॉं
३ संत काव्य की प्रवृत्तियॉं
४ सूफ़ी काव्य की प्रवृत्तियॉं
५ राम काव्य की प्रवृत्तियॉं
६ कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियॉं
७ अष्टछाप और उसका महत्व
८ भक्तिकाल : स्वर्णयुग

निर्देश

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए पॉंच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न नौ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए पॉंच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न नौ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए नौ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । इसके अन्तर्गत खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से तीन–तीन तथा खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्र में से चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।